रॉबर्ट ली

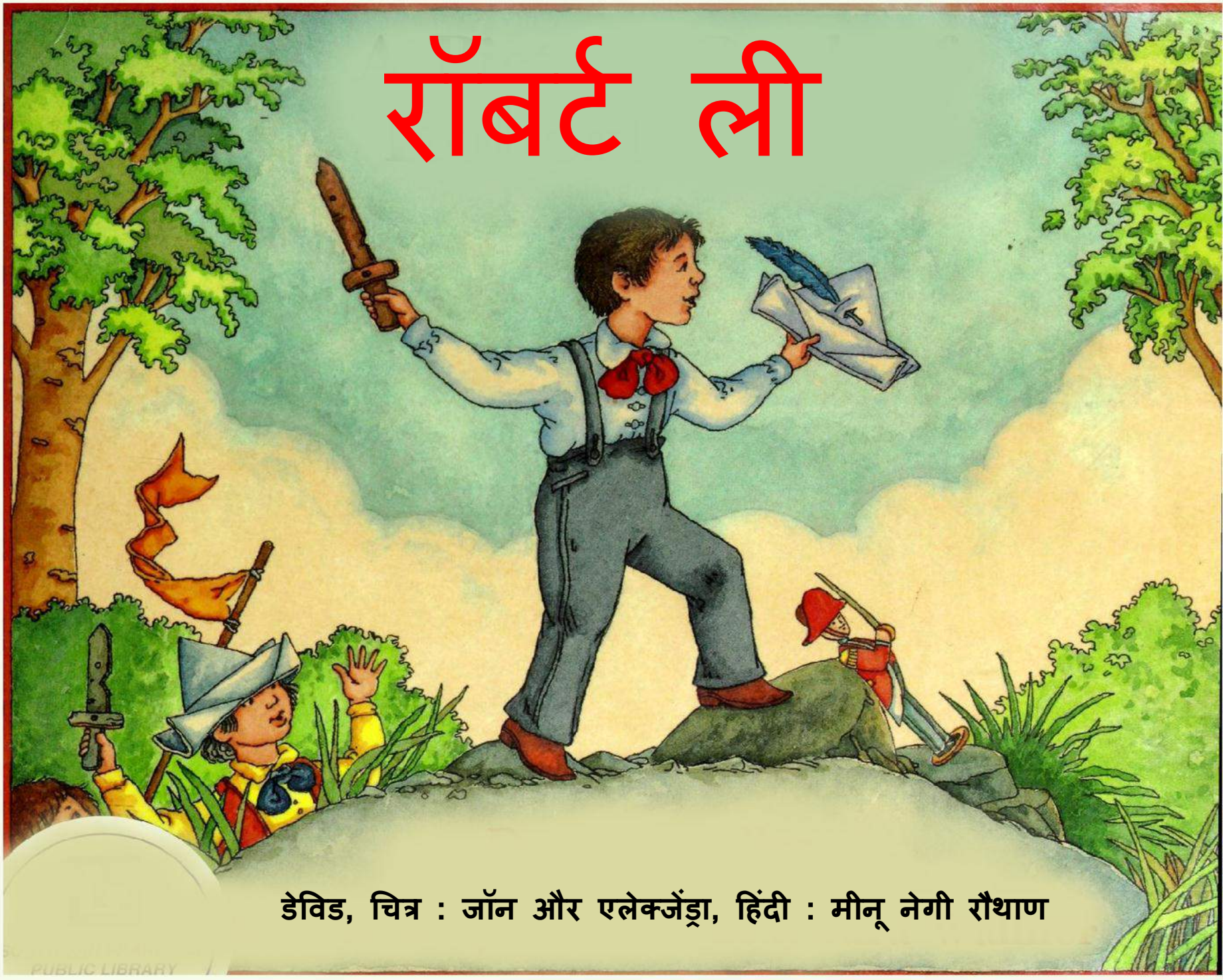

डेविड, चित्र : जॉन और एलेक्जेंड्रा, हिंदी : मीनू नेगी रौथाण

PUBLIC LIBRARY

रॉबर्ट ली

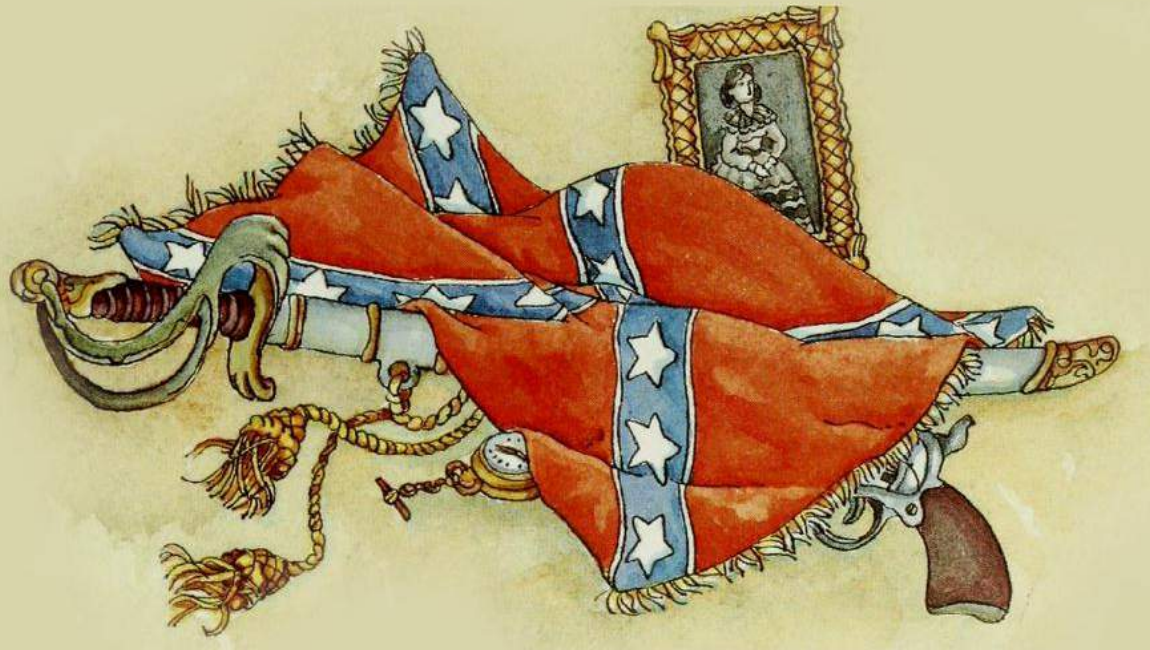

डेविड, चित्र : जॉन और एलेक्जेंड्रा, हिंदी : मीनू नेगी रौथाण

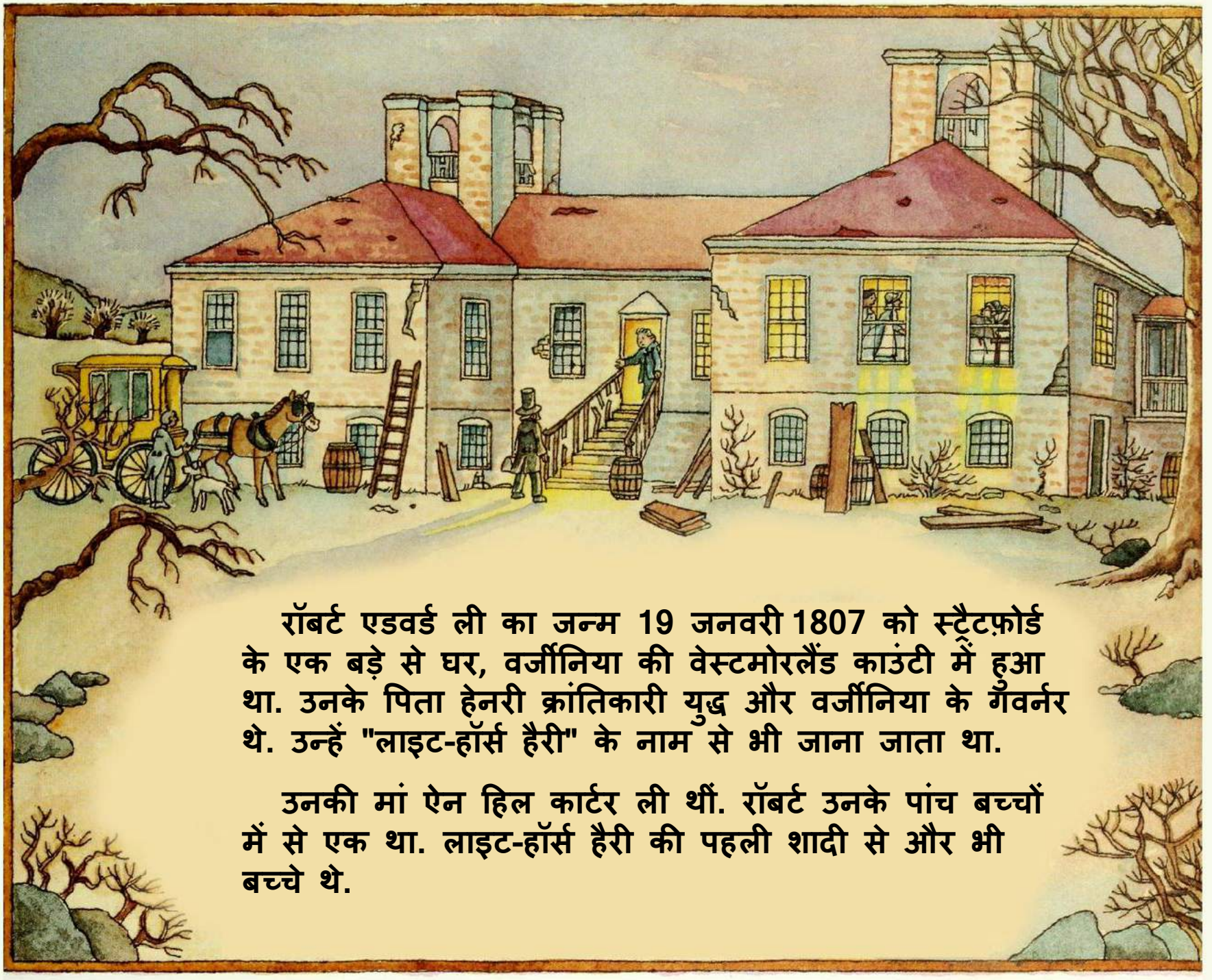

रॉबर्ट एडवर्ड ली का जन्म 19 जनवरी 1807 को स्ट्रैटफ़ोर्ड के एक बड़े से घर, वर्जीनिया की वेस्टमोरलैंड काउंटी में हुआ था. उनके पिता हेनरी क्रांतिकारी युद्ध और वर्जीनिया के गवर्नर थे. उन्हें "लाइट-हॉर्स हैरी" के नाम से भी जाना जाता था.

उनकी मां ऐन हिल कार्टर ली थीं. रॉबर्ट उनके पांच बच्चों में से एक था. लाइट-हॉर्स हैरी की पहली शादी से और भी बच्चे थे.

रॉबर्ट के पिता गलत भूमि सौदे में बड़ी रकम खो चुके थे. 1807 में, जब रॉबर्ट का जन्म हुआ था, तब स्ट्रेटफ़ोर्ड का बाहरी मैदान भी बिक चुका था. घर का अधिकतर सामान भी बेच दिया गया था. 1809 में लाईट-हार्स हैरी कर्ज में बुरी तरह डूब चुके थे जिससे उन्हें वेस्टमोरलैंड की काउंटी जेल में बंद कर दिया गया था. जब उन्हें एक साल बाद रिहा किया गया, तो स्ट्रैटफ़ोर्ड का घर अब उनके पास नहीं था. वह अपनें बच्चों को लेकर अलेक्जेंड्रिया, वर्जीनिया में एक छोटे से किराए के घर में चले गए.

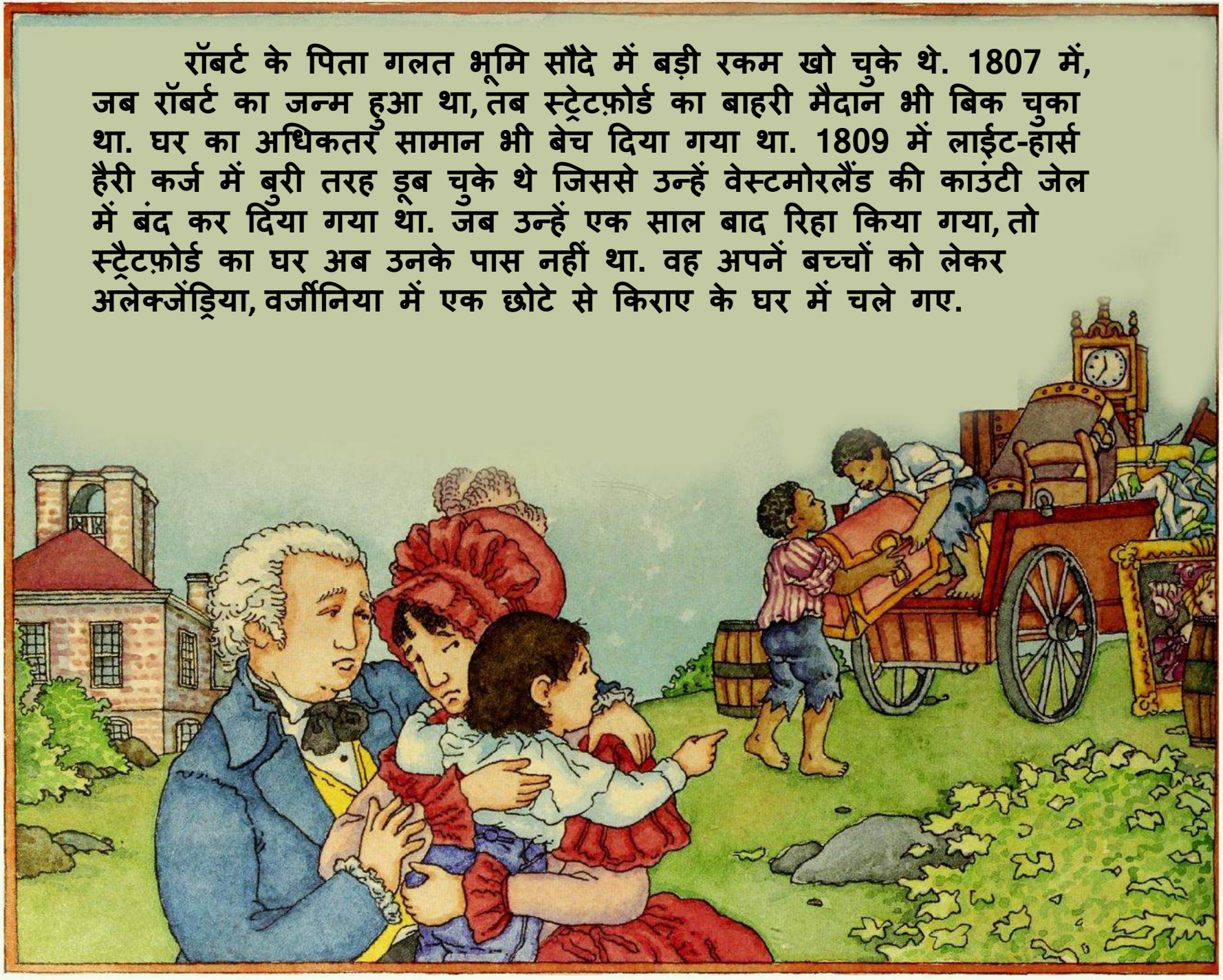

1812 में हेनरी ली घायल हो गए. अगले वर्ष वो अपने इलाज के लिए ब्रिटिश वेस्ट इंडीज के लिए रवाना हुए. रॉबर्ट तब सिर्फ छह साल के थे जब उनके पिता उन्हें छोड़कर गए थे. लॉइट-हार्स हैरी ने अपने घर एक पत्र लिखा और रॉबर्ट का वर्णन करते हुए कहा की तुम हमेशा खुश रहना और उन्हें पूरा विश्वास था की युवा रोबर्ट अपनी हमेशा जागरूक और स्नेही मां का देखभाल करेगा.

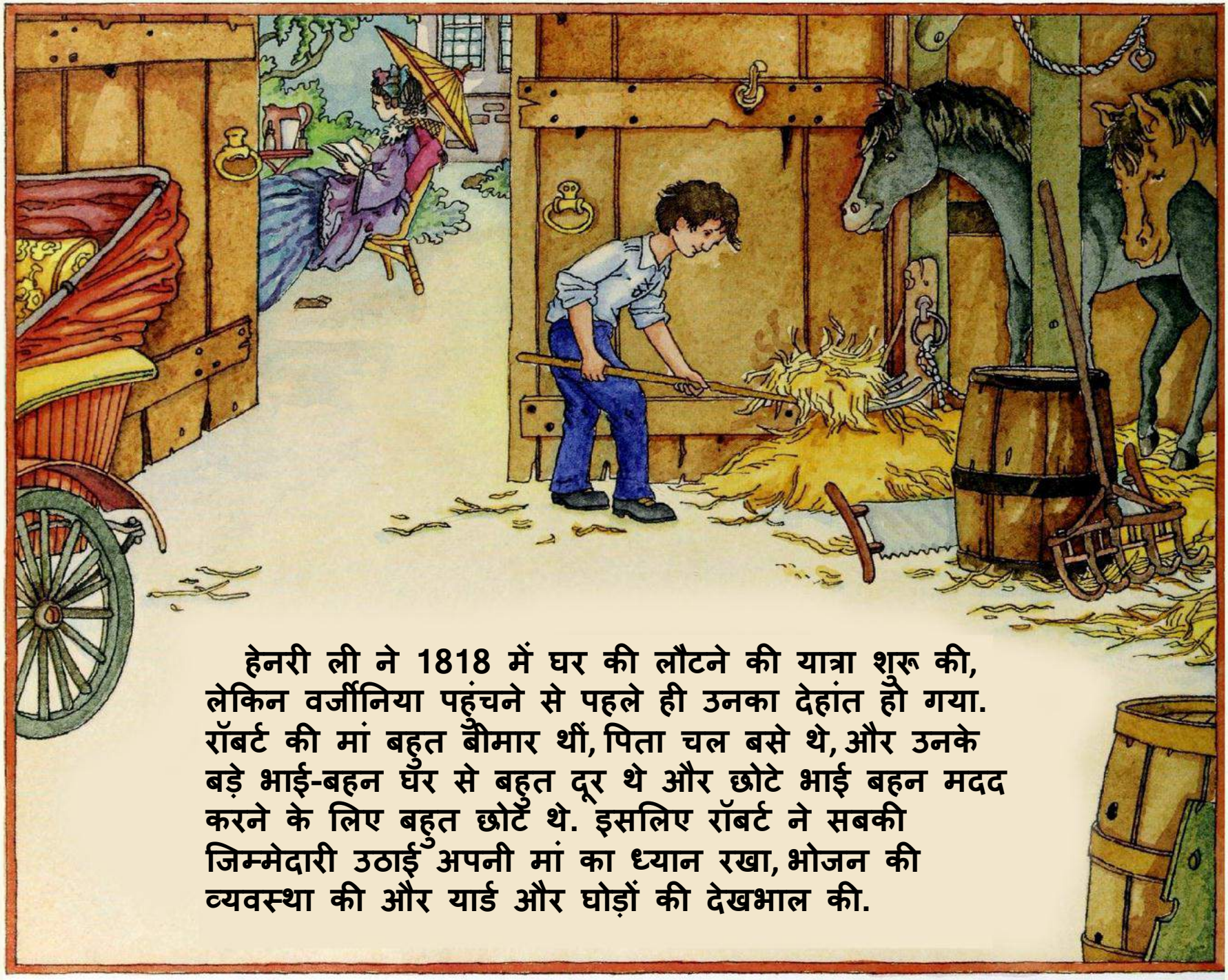

हेनरी ली ने 1818 में घर की लौटने की यात्रा शुरू की, लेकिन वर्जीनिया पहुंचने से पहले ही उनका देहांत हो गया. रॉबर्ट की मां बहुत बीमार थीं, पिता चल बसे थे, और उनके बड़े भाई-बहन घर से बहुत दूर थे और छोटे भाई बहन मदद करने के लिए बहुत छोटे थे. इसलिए रॉबर्ट ने सबकी जिम्मेदारी उठाई अपनी मां का ध्यान रखा, भोजन की व्यवस्था की और यार्ड और घोड़ों की देखभाल की.

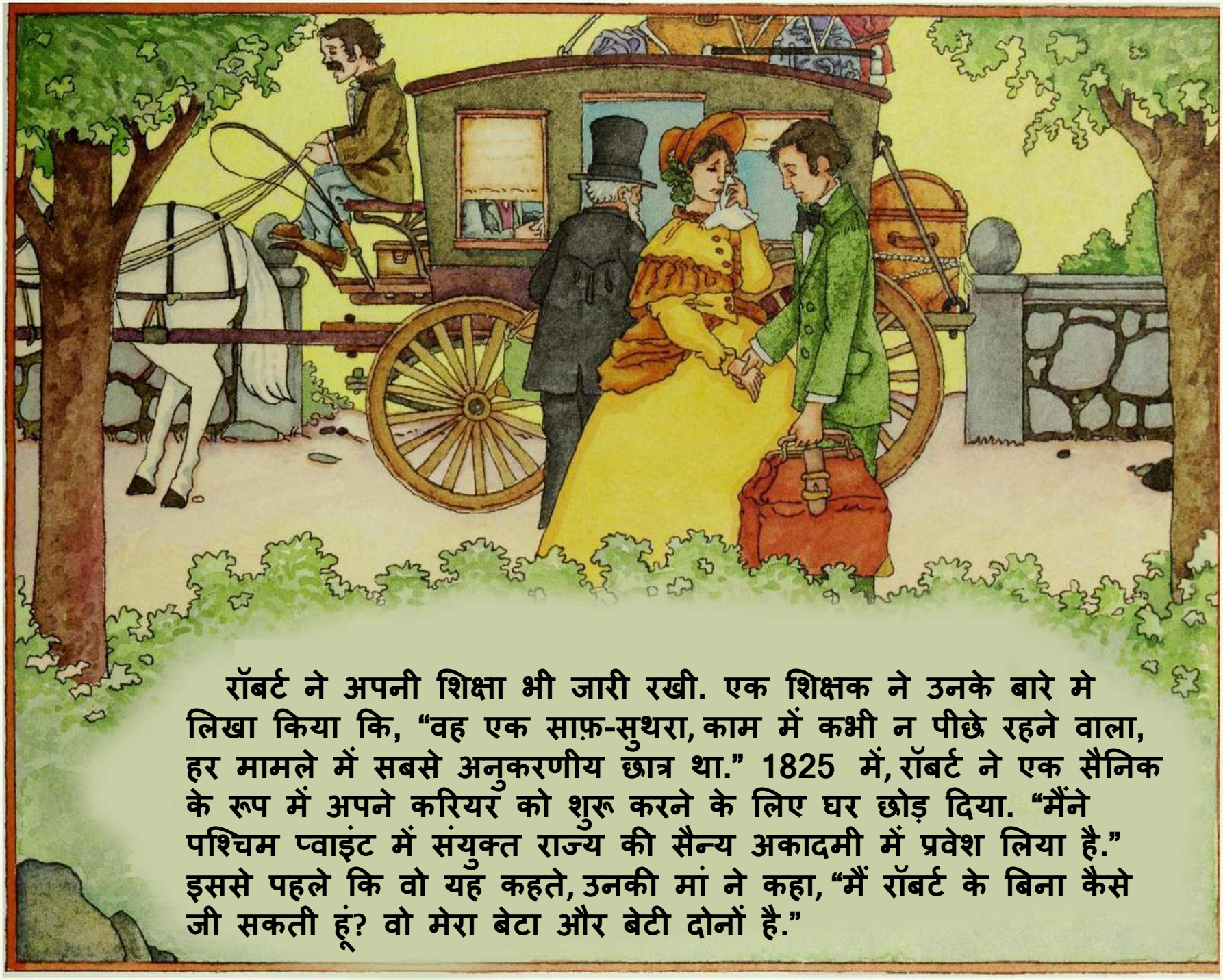

रॉबर्ट ने अपनी शिक्षा भी जारी रखी. एक शिक्षक ने उनके बारे मे लिखा किया कि, “वह एक साफ़-सुथरा, काम में कभी न पीछे रहने वाला, हर मामले में सबसे अनुकरणीय छात्र था.” 1825 में, रॉबर्ट ने एक सैनिक के रूप में अपने करियर को शुरू करने के लिए घर छोड़ दिया. “मैंने पश्चिम प्वाइंट में संयुक्त राज्य की सैन्य अकादमी में प्रवेश लिया है.” इससे पहले कि वो यह कहते, उनकी मां ने कहा, “मैं रॉबर्ट के बिना कैसे जी सकती हूं? वो मेरा बेटा और बेटी दोनों है.”

वेस्ट पॉइंट में रॉबर्ट का पसंदीदा विषय इंजीनियरिंग था, फिर भी उन्होंने अपने सभी विषयों में अच्छा प्रदर्शन किया. वो 88 छात्रों के वर्ग में दूसरे स्थान पर आए और उन्हें संयुक्त राज्य सेना में लेफ्टिनेंट बनाया गया. 1829 में रॉबर्ट अपनी बीमार मां को मिलने लिए घर आये और कुछ हफ्तों तक उनके साथ रहे, परन्तु गम्भीर अवस्था के कारण उनकी माँ की मृत्यु हो गई.

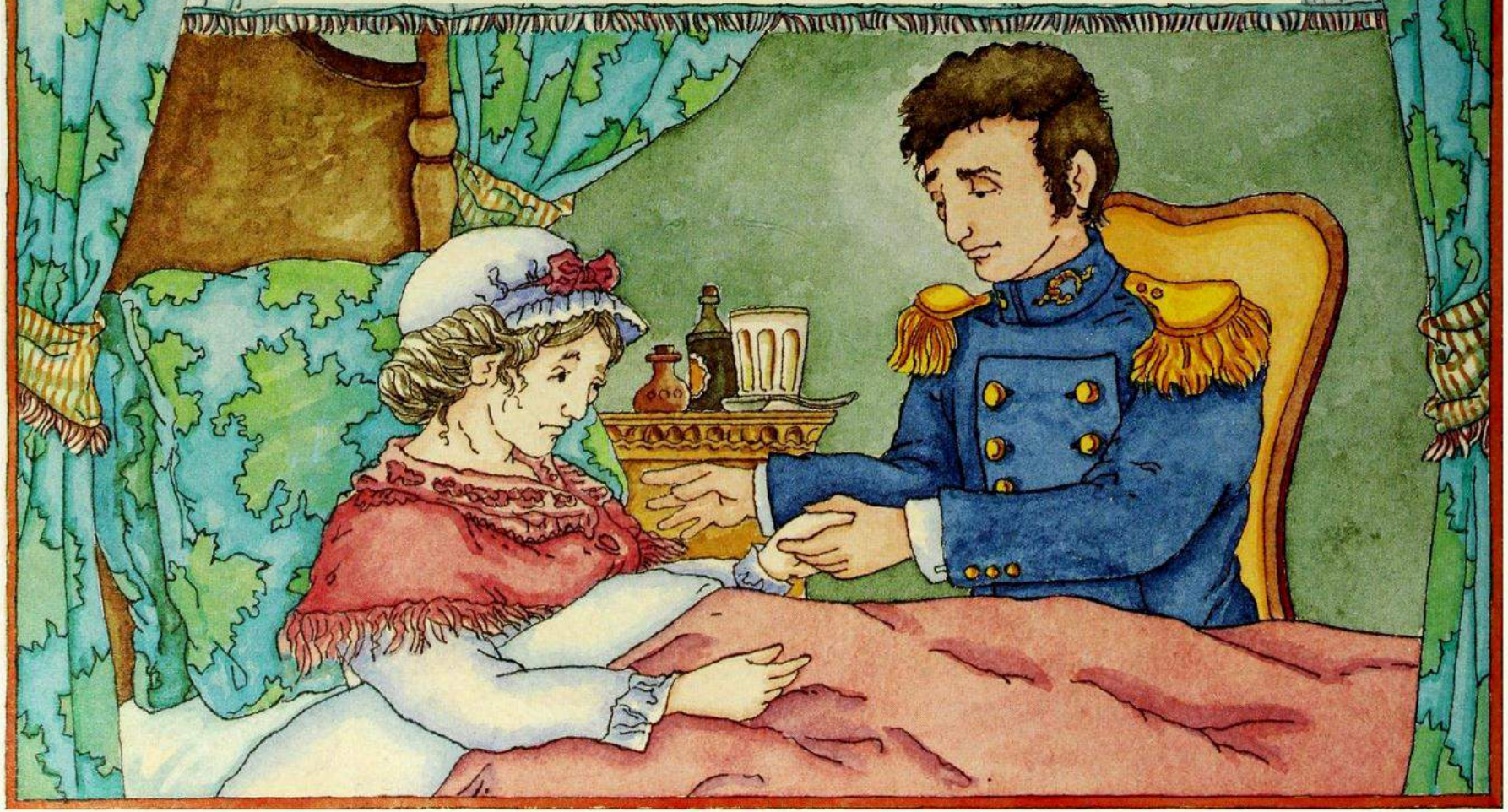

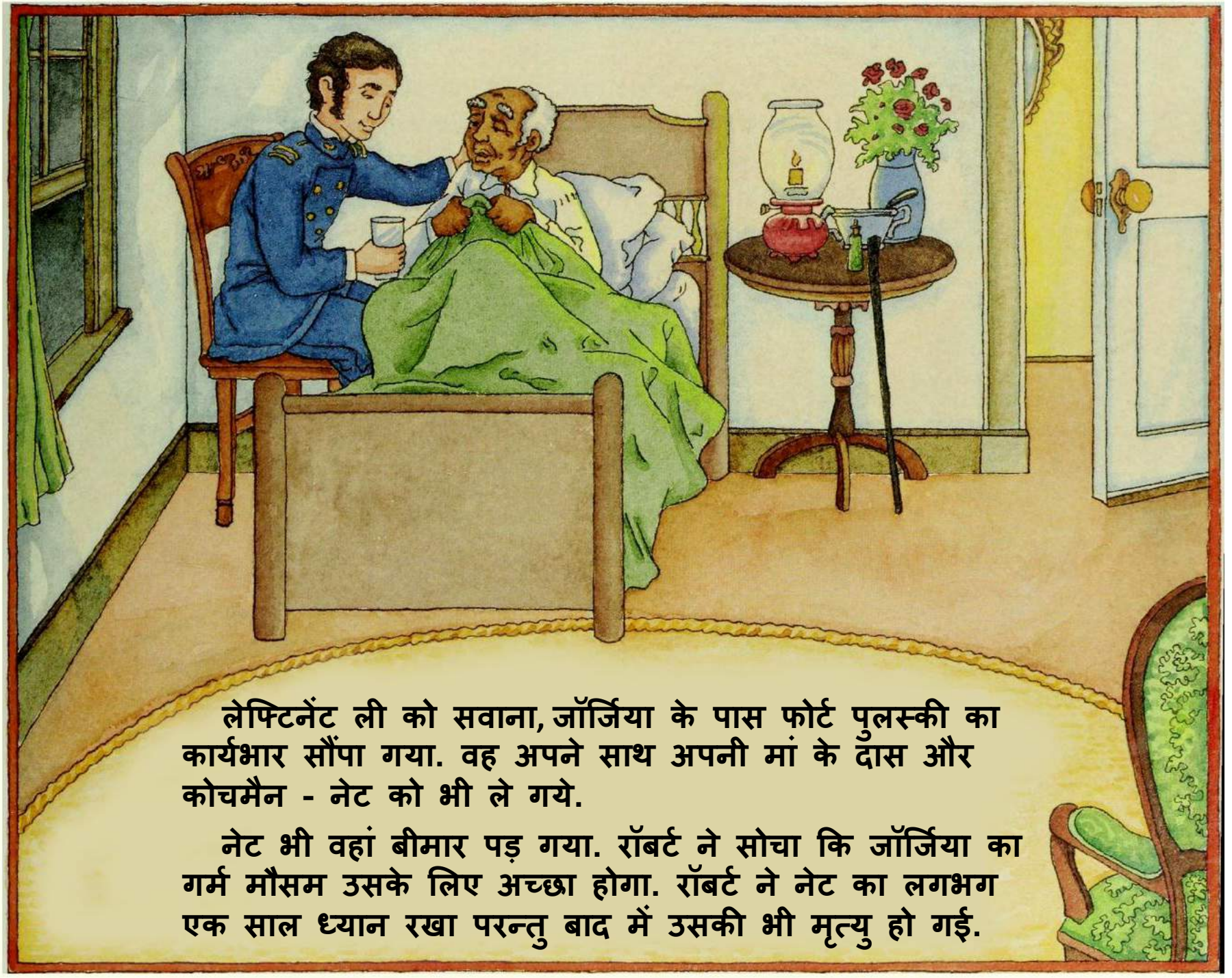

लेफ्टिनेंट ली को सवाना, जॉर्जिया के पास फोर्ट पुलस्की का कार्यभार सौंपा गया. वह अपने साथ अपनी मां के दास और कोचमैन - नेट को भी ले गये.

नेट भी वहां बीमार पड़ गया. रॉबर्ट ने सोचा कि जॉर्जिया का गर्म मौसम उसके लिए अच्छा होगा. रॉबर्ट ने नेट का लगभग एक साल ध्यान रखा परन्तु बाद में उसकी भी मृत्यु हो गई.

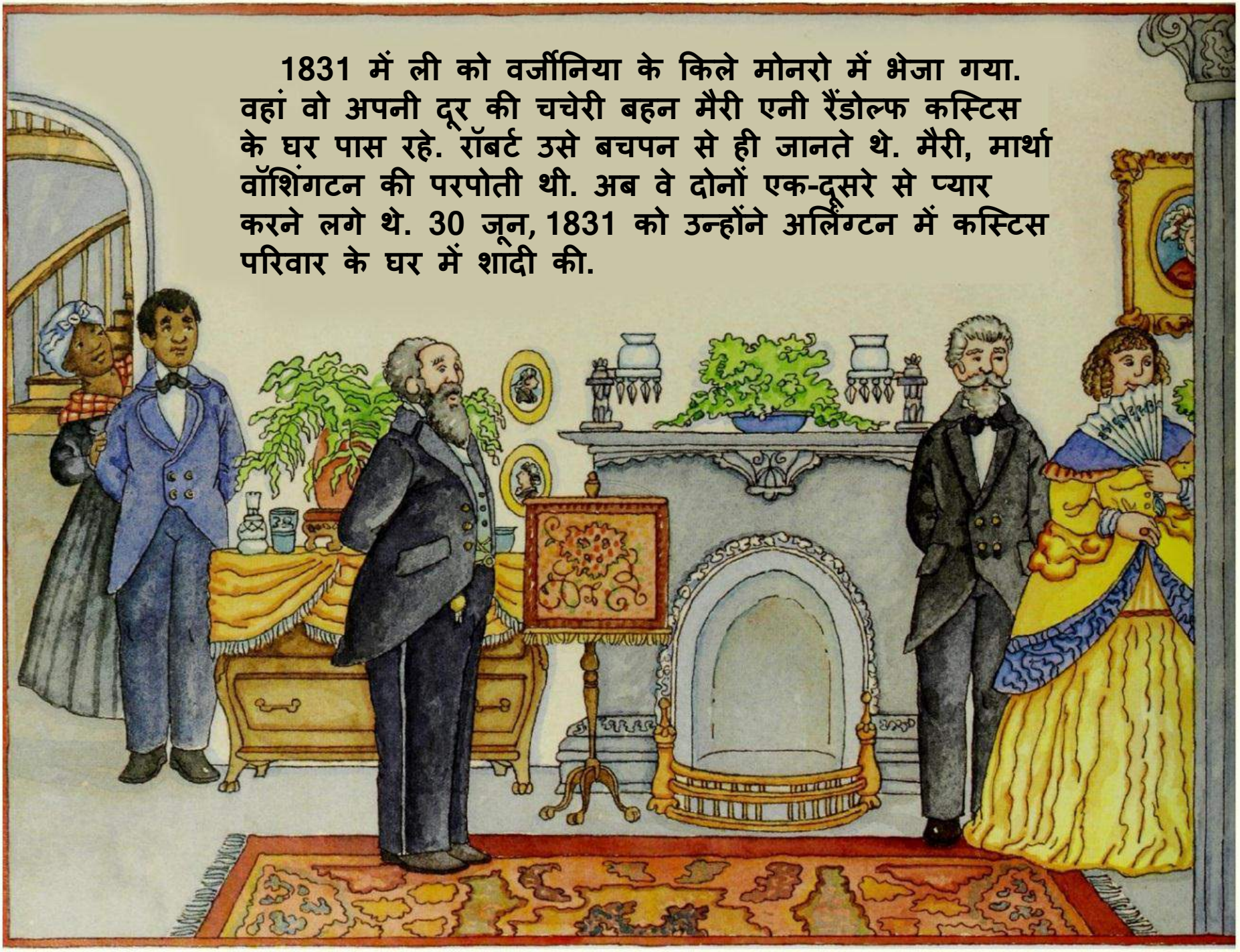

1831 में ली को वर्जीनिया के किले मोनरो में भेजा गया. वहां वो अपनी दूर की चचेरी बहन मैरी एनी रैंडोल्फ कस्टिस के घर पास रहे. रॉबर्ट उसे बचपन से ही जानते थे. मैरी, मार्था वॉशिंगटन की परपोती थी. अब वे दोनों एक-दूसरे से प्यार करने लगे थे. 30 जून, 1831 को उन्होंने अलिंग्टन में कस्टिस परिवार के घर में शादी की.

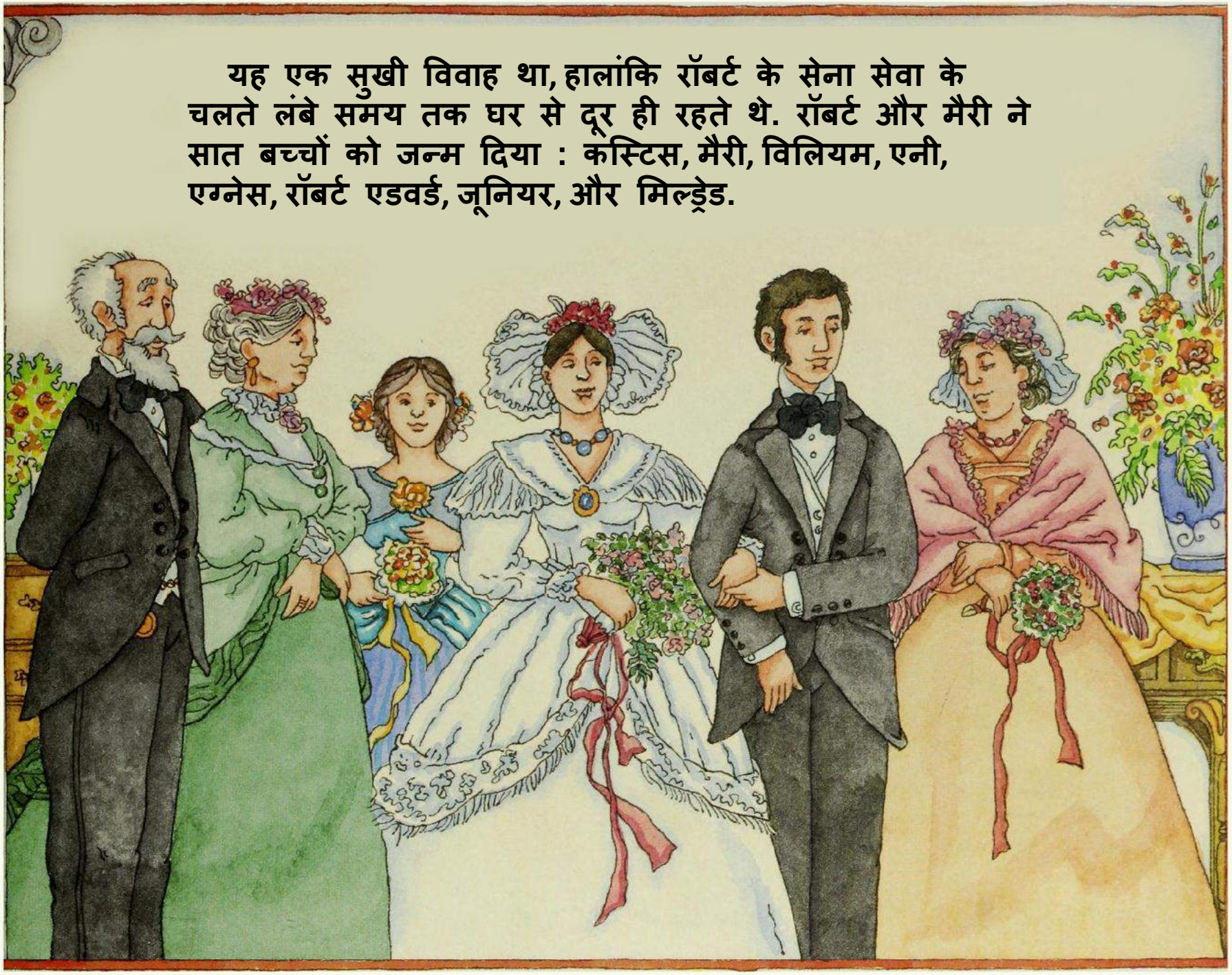
यह एक सुखी विवाह था, हालांकि रॉबर्ट के सेना सेवा के चलते लंबे समय तक घर से दूर ही रहते थे. रॉबर्ट और मैरी ने सात बच्चों को जन्म दिया : कस्टिस, मैरी, विलियम, एनी, एग्नेस, रॉबर्ट एडवर्ड, जूनियर, और मिल्ड्रेड.

1837 में रॉबर्ट को सेना द्वारा सेंट-लुइस, मिसौरी भेजा गया, जहां उन्होंने मिसिसिपी नदी में एक तटबंध बनाया और शहर को बाढ़ से बचाया. इसके बाद वह न्यूयॉर्क शहर गये जहां वह किले की मरम्मत के प्रभारी थे, जो बंदरगाह की रक्षा करता था. फिर, 1846 में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने जब मेक्सिको पर युद्ध को रद्द किया, तब रॉबर्ट को फिर सैन-एंटोनियो, टेक्सास, और फिर मेक्सिको भेजा गया.

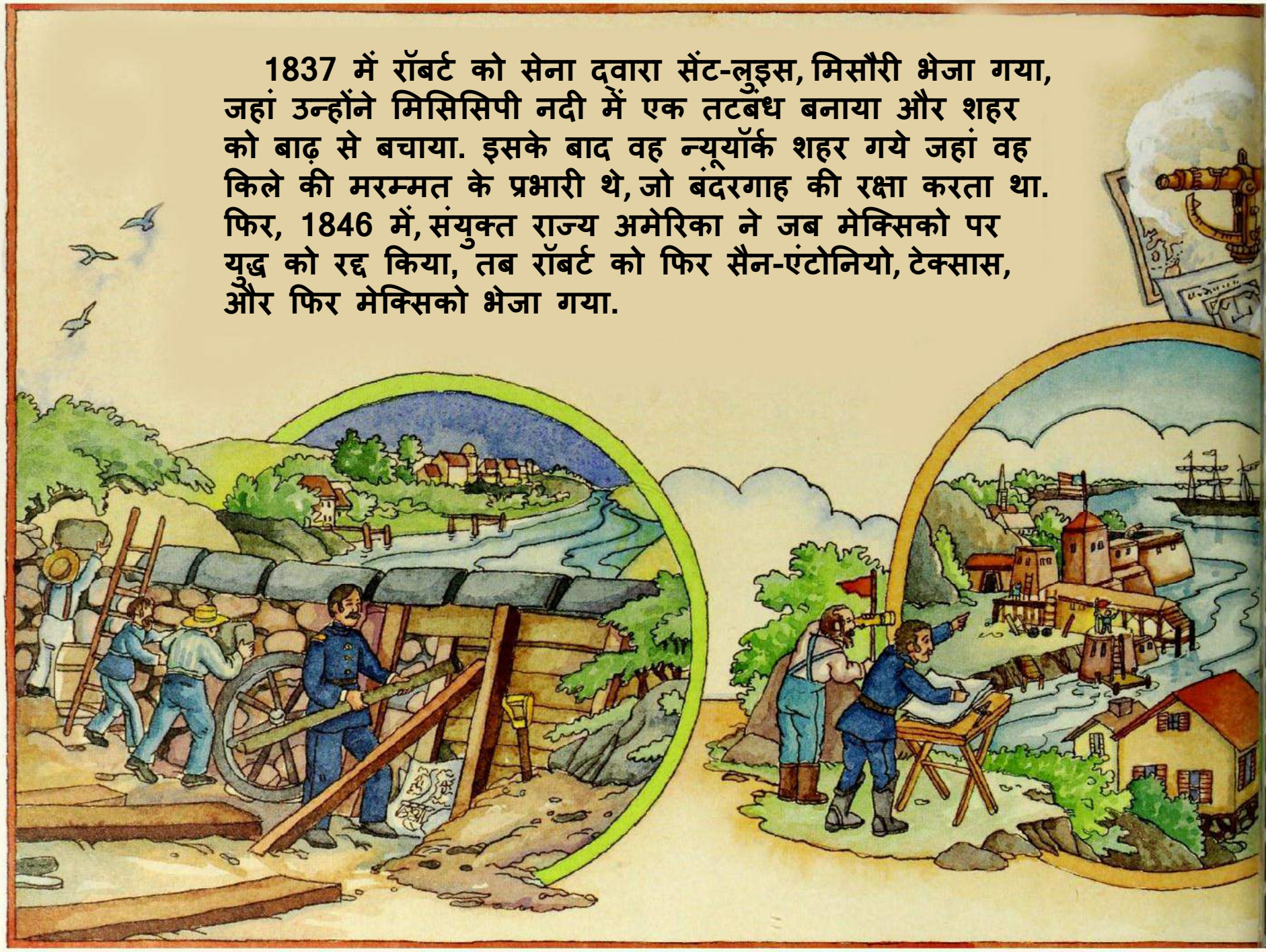

रॉबर्ट ई. ली ने एक स्काउट के रूप में भी काम किया. उन्होंने जानकारी पाने के लिए दुश्मन के क्षेत्र में गश्त भी लगाई.

उन्होंने पुलों के निर्माण भी किया, ताकि पुल लड़ाई में इस्तेमाल होने वाली भारी सेना की बंदूकों का भार सम्भाल सकें. वेराक्रूज़ की लड़ाई में, उन्होंने लड़ाई लड़ने में भी मदद की. वह सेरो गोरडो और मैक्सिको सिटी में लड़ाई में बहुत दमदार साबित हुए. एक बार वह छत्तीस घंटों तक अपने घोड़े पर सवार होकर लड़ते रहे. युनाइटेड स्टेट्स आर्मी के चीफ-ऑफ-कमांडर जनरल विनफील्ड स्कॉट के बाद ली को "अमेरिका की सबसे बड़ी सैन्य प्रतिभा" से सम्मानित किया.

रॉबर्ट ई. ली एक महान सैनिक थे, लेकिन वह युद्धप्रिय नही थे. अपने घर के लिए लिखे एक पत्र में उन्होंने कहा की सेना की बंदूकों की गोलीबारी का वर्णन किया "उनकी उड़ान में जितनी सुंदरता हैं उनका गिरना उतना ही विनाशकारी है." और उन्होंने मारे जाने वाले लोगों के बारे में भी लिखा था: “यह बहुत ही भयानक है, मेरा दिल धाराशायी हो जाता है ... महिलाओं और बच्चों के बारे में सोचते ही मुझे बहुत आघात होता है.”

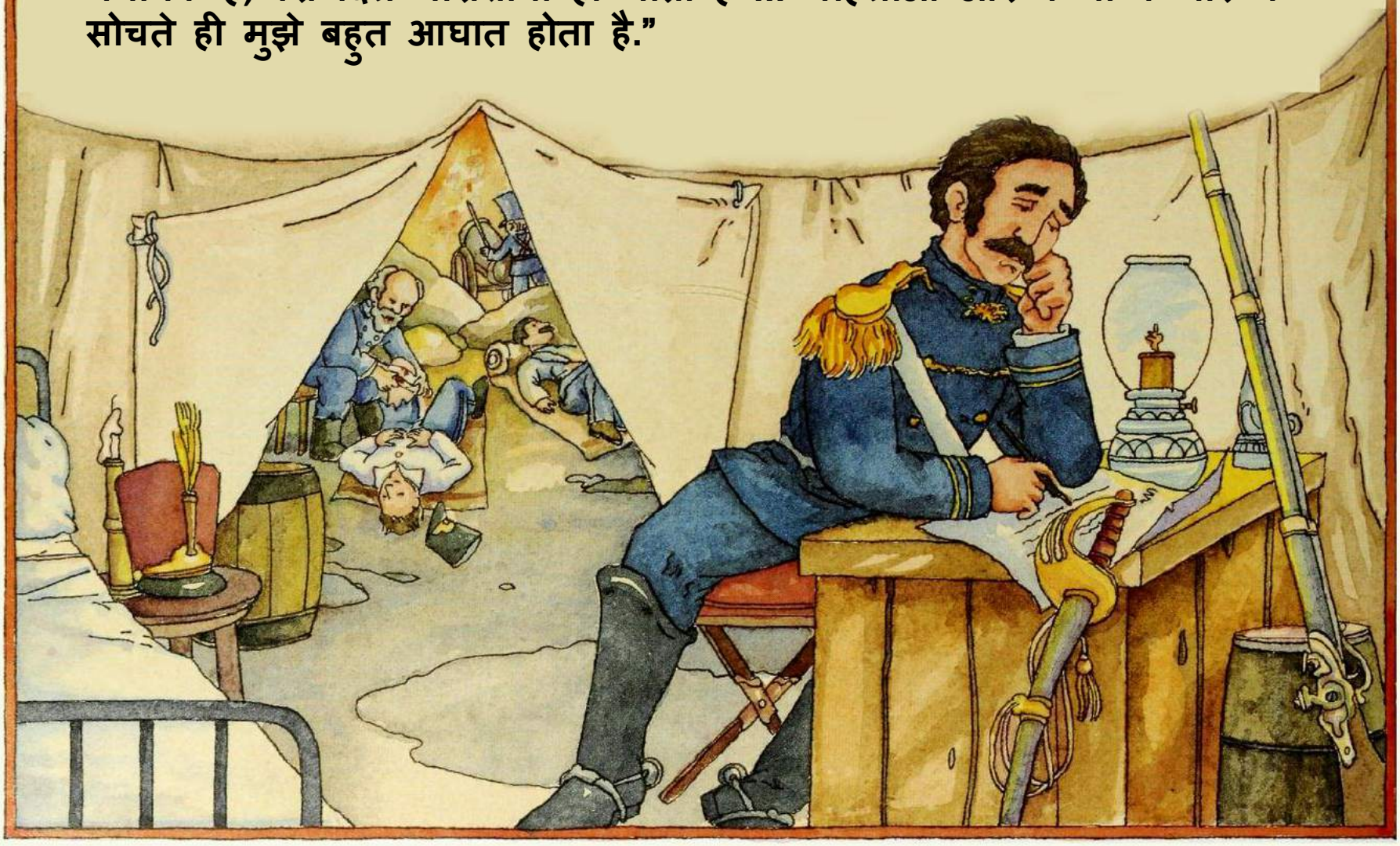

1852 में रॉबर्ट ई. ली को संयुक्त राज्य अमेरिका की वेस्ट पॉइंट की सैन्य अकादमी के अधीक्षक का भार दिया गया. उन्हें एक दृढ़ लेकिन दयालु नेता माना जाता था जिन्होंने प्रत्येक कैडेट में वास्तविक रुचि ली थी. ली को 1855 में लेफ्टिनेंट कर्नल बनाया गया और टेक्सास फ्रंटियर भेजा गया ताकि वह शरणार्थीयों को मूल अमेरिकियों के हमलों से बचाने में मदद कर सकें.

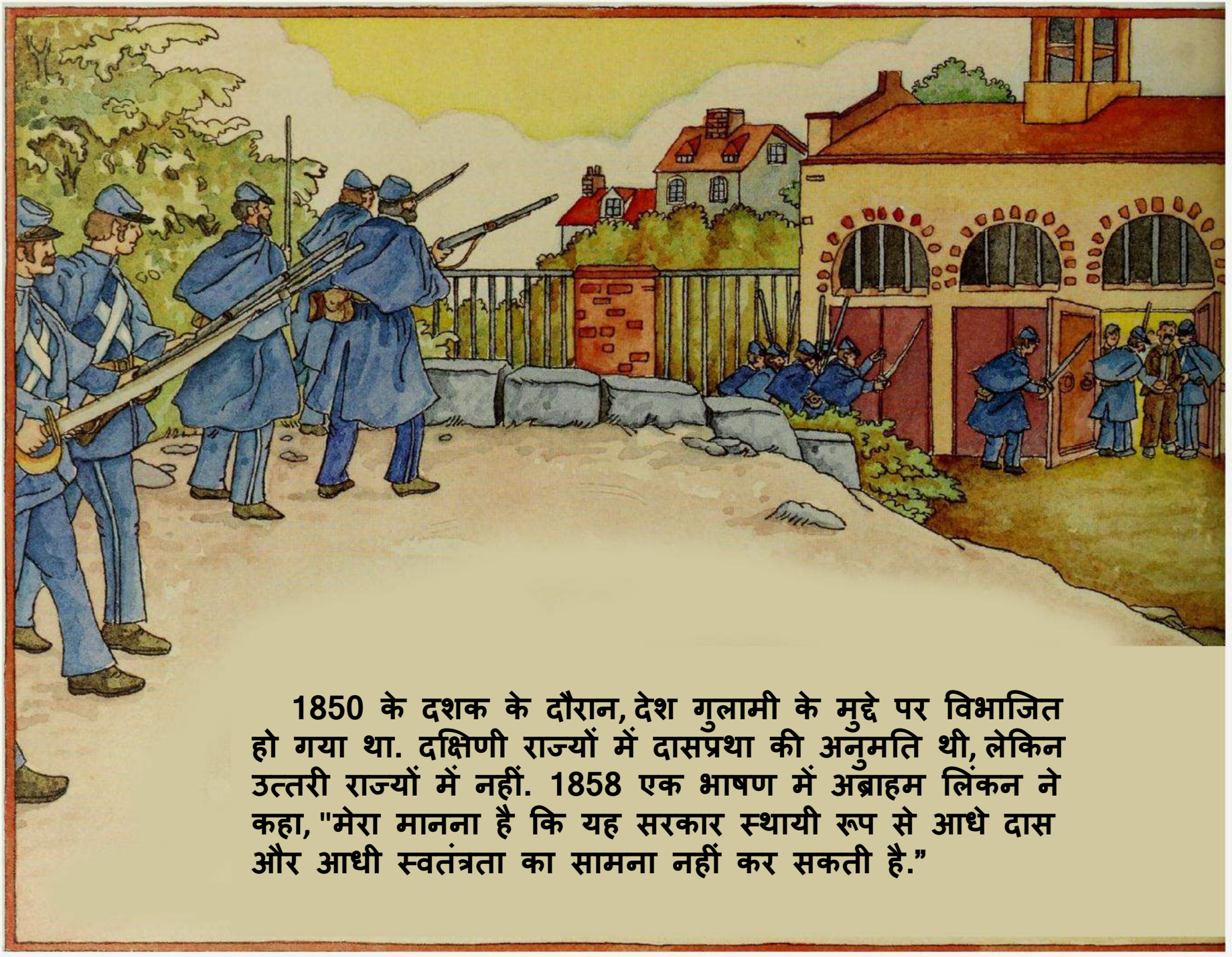

1850 के दशक के दौरान, देश गुलामी के मुद्दे पर विभाजित हो गया था. दक्षिणी राज्यों में दासप्रथा की अनुमति थी, लेकिन उत्तरी राज्यों में नहीं. 1858 एक भाषण में अब्राहम लिंकन ने कहा, "मेरा मानना है कि यह सरकार स्थायी रूप से आधे दास और आधी स्वतंत्रता का सामना नहीं कर सकती है."

1859 में रॉबर्ट ई. ली उन दिनों अपने वर्जीनिया के घर में थे, जब जॉन ब्राउन - गुलामी की खिलाफत करने वाले एक योद्धा ने, वर्जीनिया के हार्पर फेरी में सेना के शस्त्रागार पर हमला किया. ब्राउन, दासों को मुक्त कराने के लिए हथियारों का इस्तेमाल करने की उम्मीद कर रहा था. कर्नल ली को सेना ने हार्पर फेरी भेजा. उन्होंने जॉन ब्राउन और उनके अनुयायियों को गिरफ्तार किया.

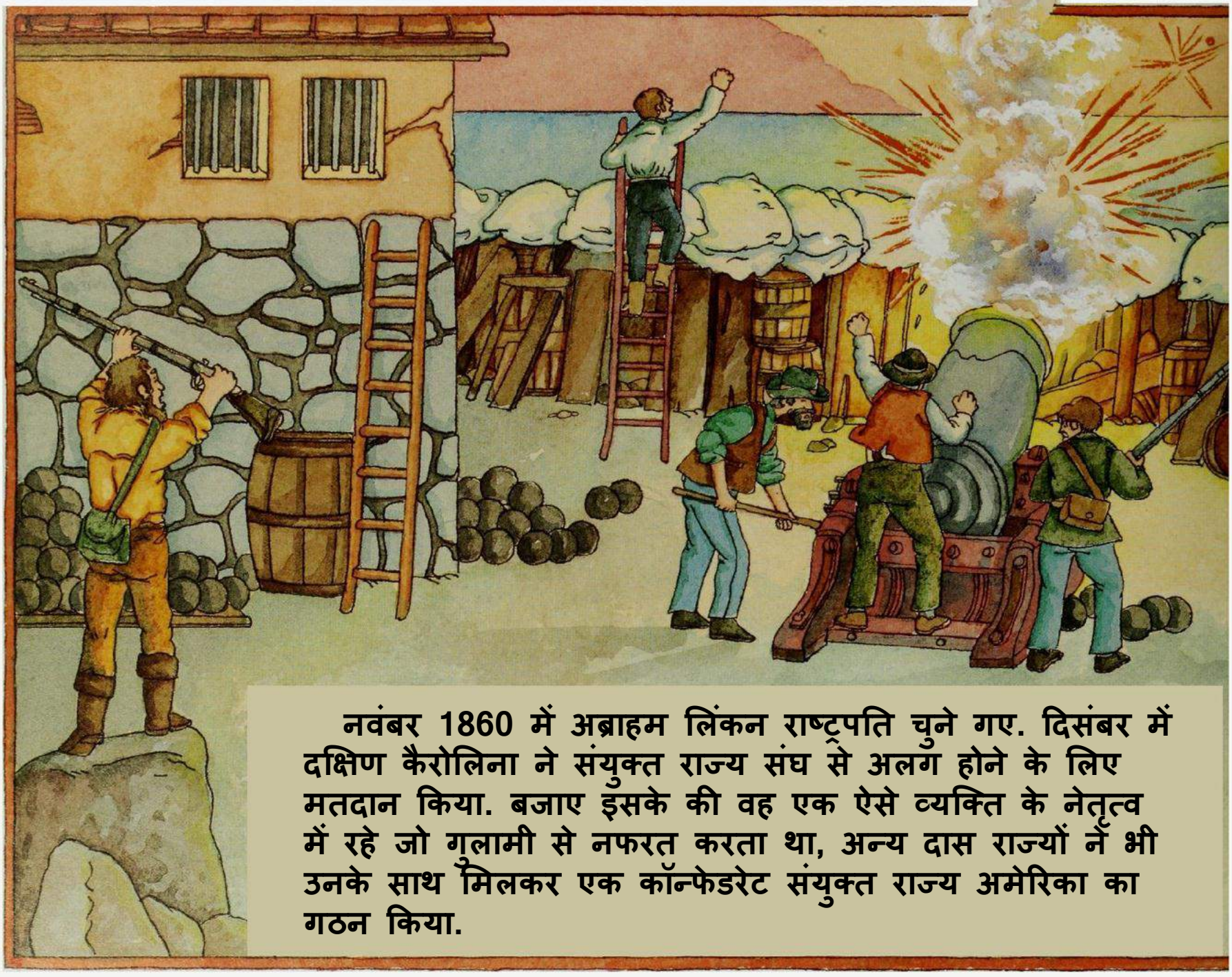

नवंबर 1860 में अब्राहम लिंकन राष्ट्रपति चुने गए. दिसंबर में दक्षिण कैरोलिना ने संयुक्त राज्य संघ से अलग होने के लिए मतदान किया. बजाए इसके की वह एक ऐसे व्यक्ति के नेतृत्व में रहे जो गुलामी से नफरत करता था, अन्य दास राज्यों ने भी उनके साथ मिलकर एक कॉन्फेडरेट संयुक्त राज्य अमेरिका का गठन किया.

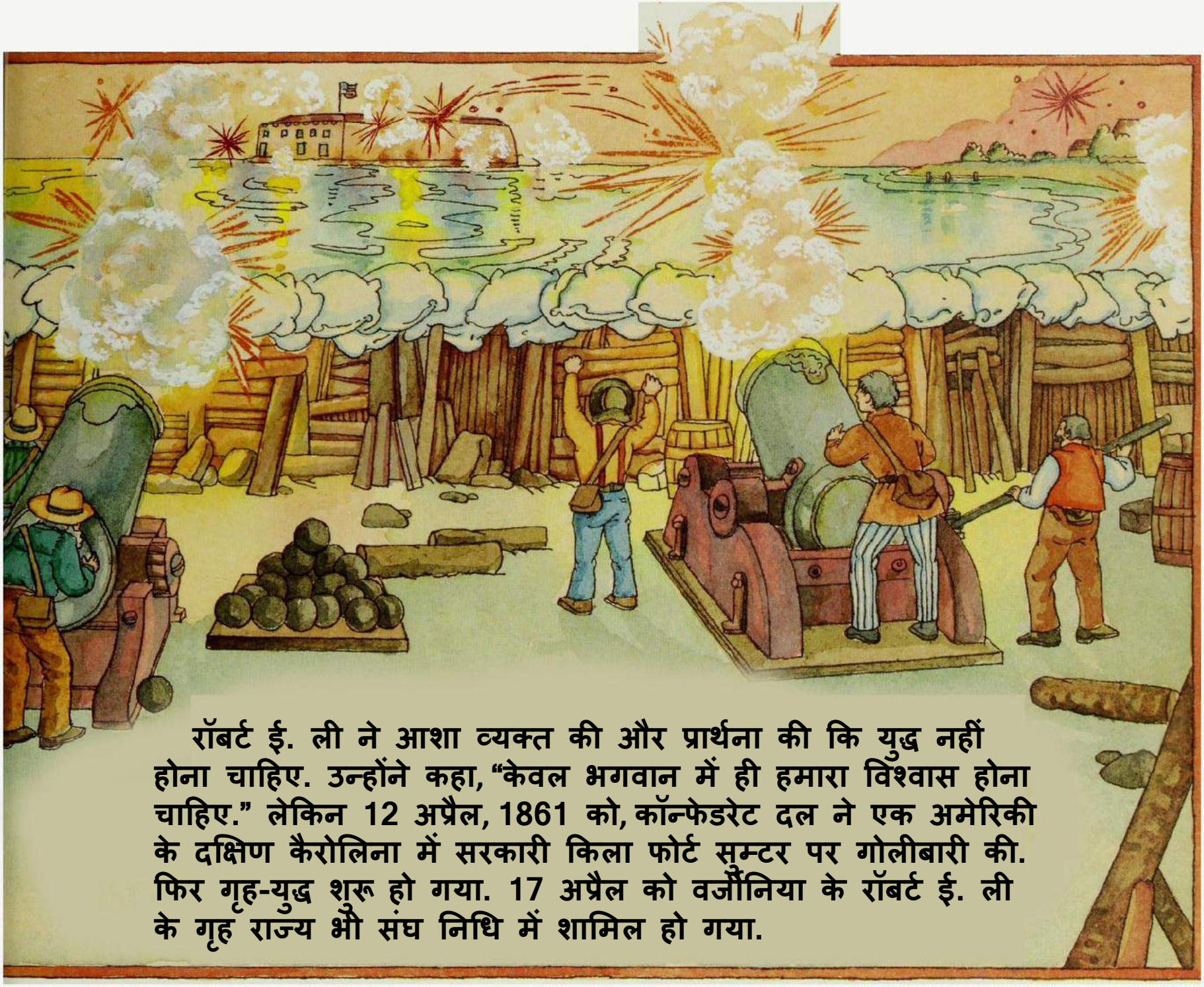

रॉबर्ट ई. ली ने आशा व्यक्त की और प्रार्थना की कि युद्ध नहीं होना चाहिए. उन्होंने कहा, "केवल भगवान में ही हमारा विश्वास होना चाहिए." लेकिन 12 अप्रैल, 1861 को, कॉन्फेडरेट दल ने एक अमेरिकी के दक्षिण कैरोलिना में सरकारी किला फोर्ट सुम्टर पर गोलीबारी की. फिर गृह-युद्ध शुरू हो गया. 17 अप्रैल को वर्जीनिया के रॉबर्ट ई. ली के गृह राज्य भी संघ निधि में शामिल हो गया.

दक्षिणी विद्रोही सेना के इरादे सही नहीं थे. संघीय राज्य में ग्यारह राज्य थे तेइस संघ में बने रहे. दक्षिणी संघ की तुलना में उत्तरी संघ में अधिक लोग, सैनिक, हथियार, कारखाने और राज्यों में रेलमार्ग आदि थे.

रॉबर्ट ई. ली ने गुलामी की बुराई को महसूस किया. उन्होंने अपने दास को मुक्त कर दिया उन्होंने यह भी महसूस किया कि राष्ट्र को एकजुट होना चाहिए. लेकिन फिर भी वो संघ और सेना के बीच में फंसे हुए थे. उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि वह सेना में बने रहें या वर्जीनिया राज्य की सेनाओं में शामिल हो जाए.

उत्तर और दक्षिण दोनों राज्यों में ली को एक महान सैनिक के रूप में पहचाना जाता था. राष्ट्रपति लिंकन ने उन्हें केंद्रीय सेना के क्षेत्र कमांडर बनाने का फैसला किया.

ली ने इंकार कर दिया और अमेरिकी सेना से इस्तीफा दे दिया. वह एक वर्जिनियन थे और उन्होंने लिखा, "मैं अपने रिश्तेदारों, अपने बच्चों, अपने खुद घर के खिलाफ अपना हाथ उठाने के लिए अपना मन नहीं बना पाया हूं."

22 अप्रैल, 1861 को रॉबर्ट ई. ली को वर्जीनिया की सेना का कमांडर नियुक्त किया गया. इसके तुरंत बाद उन्हें कॉन्फेडरेट आर्मी में एक जनरल और कॉन्फेडरेशन के अध्यक्ष के सलाहकार जेफर्सन डेविस का नाम दिया गया.

जून 1862 में जनरल ली को रिचमंड, वर्जीनिया - जोकि संघ की राजधानी थी, को बचाने के लिए नियुक्त किया गया. हमले की तैयारी करने वाले केंद्रीय जनरलों ने एक त्वरित जीत की उम्मीद की थी, क्योंकि उनके पास एक बड़ी सेना थी.

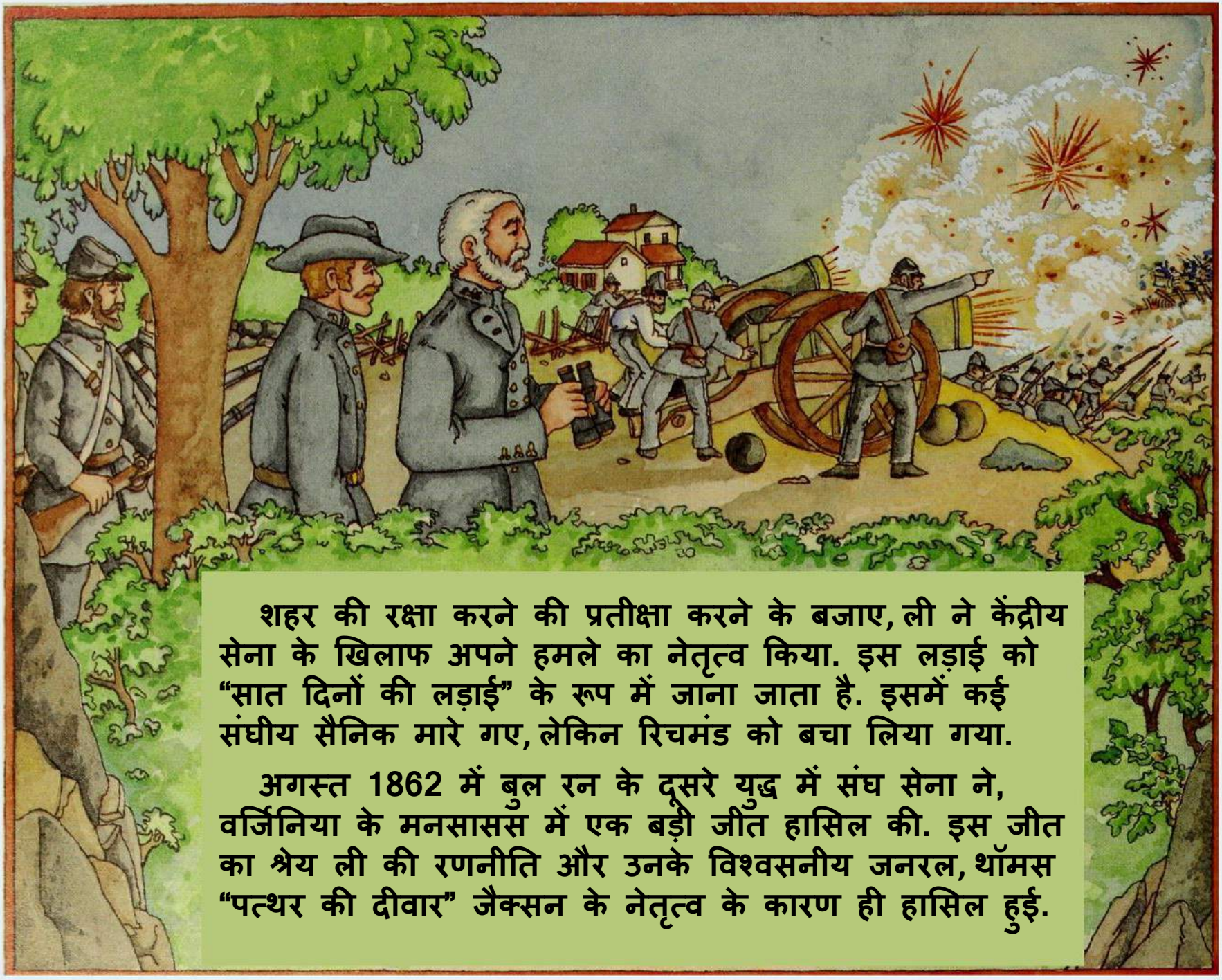

शहर की रक्षा करने की प्रतीक्षा करने के बजाए, ली ने केंद्रीय सेना के खिलाफ अपने हमले का नेतृत्व किया. इस लड़ाई को "सात दिनों की लड़ाई" के रूप में जाना जाता है. इसमें कई संघीय सैनिक मारे गए, लेकिन रिचमंड को बचा लिया गया.

अगस्त 1862 में बुल रन के दूसरे युद्ध में संघ सेना ने, वर्जिनिया के मनसासस में एक बड़ी जीत हासिल की. इस जीत का श्रेय ली की रणनीति और उनके विश्वसनीय जनरल, थॉमस "पत्थर की दीवार" जैक्सन के नेतृत्व के कारण ही हासिल हुई.

रॉबर्ट ई. ली का मानना था कि दुश्मन का हमला होने से बेहतर है खुद हमला करना. इसलिए सितंबर 1862 में उन्होंने अपने लोगों को मैरीलैंड, संघ राज्य का नेतृत्व किया. यूनियन जनरल जॉर्ज बी. मैकक्लेलन ने ली की योजनाओं का पता लगाया और एंटीमेंटम, मैरीलैंड में 17 सितंबर, 1862 को ली की सेना से मिले. जनरल ली के वर्जीनिया से पीछे हटने से पहले दोनों पक्षों ने हजारों जानें गंवाईं.

मई 1863 में, वर्जीनिया के चांसेलर्सविल में, ली के संघ के सैनिकों ने केंद्रीय सेना को हराया, लेकिन स्टोनवेल जैक्सन मारे गए.

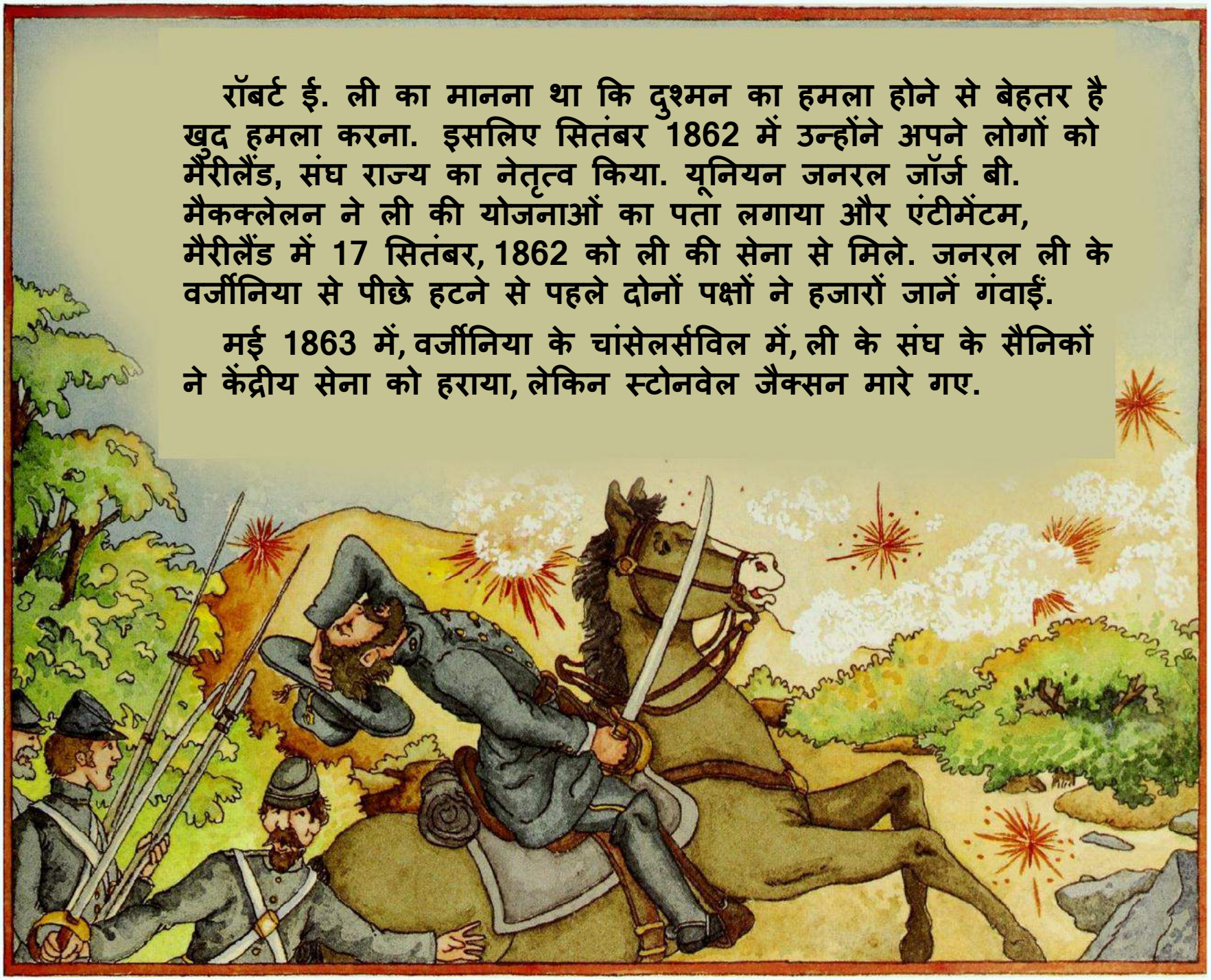

जून 1868 में, ली ने फिर से अपने सैनिकों को केंद्रीय भूमि पर ले गए पर इस बार पेनसिल्वेनिया में.

गेटेसबर्ग की लड़ाई में, जुलाई के पहले तीन दिनों के दौरान दोनों पक्षों के 40,000 से अधिक सैनिक मारे गए, घायल हुए और कैद कर लिए गए. ली की सेना वर्जीनिया के लिए लड़ाई जारी रखने में असमर्थ थी.

गेटिसबर्ग की लड़ाई को एक महत्वपूर्ण मोड़ माना जाता है. यह लड़ाई खत्म हो जाने के बाद, ली के पास अब किसी भी तरह के बड़े हमला का सामना करने के लिए पर्याप्त शक्ति नहीं बची थी.

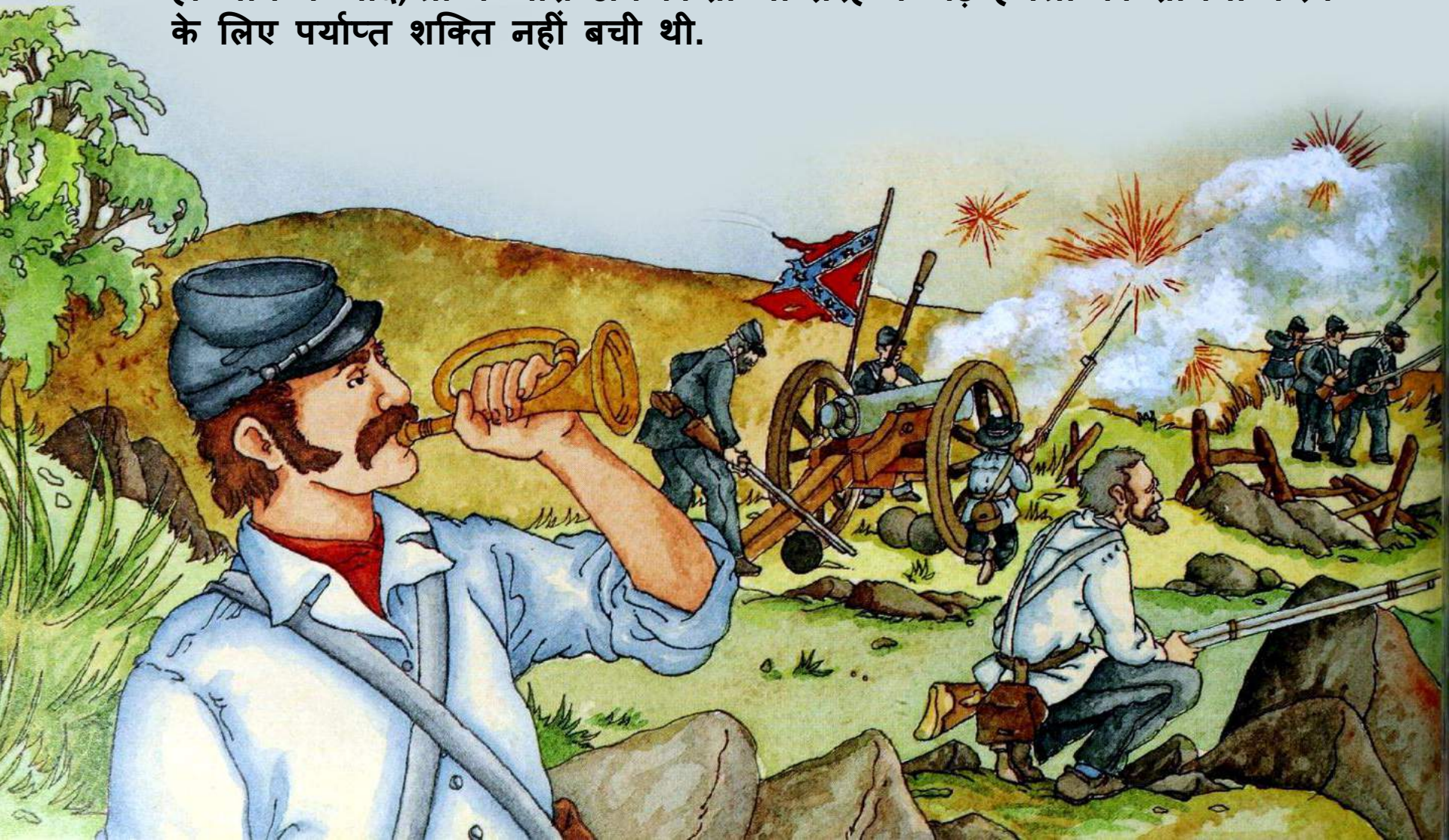

युद्ध के दौरान, रॉबर्ट ई. ली अपने सैनिकों के पास एक तंबू में रहते थे और उनके साथ अपना भोजन साझा करते थे. लोगों ने उनके प्रति महान सम्मान और प्यार दर्शाया. 1865 में ली को जनरल इन चीफ ऑफ द आर्मीज़ ऑफ़ द कॉन्फेडरेट स्टेट्स की उपाधि दी गई.

युद्ध के दौरान कई लड़ाईयां लड़ीं गईं थीं जिनमें बहुत कुछ खोया गया था. इमारतों, खेतों, रेलमार्ग, और वो शहर जो ज्यादातर दक्षिण में थे, उन्हें जला दिया गया था. 600,000 से अधिक सैनिकों की मृत्यु हो गई थी. युद्ध में कई लोग मारे गए, लेकिन आधे से ज्यादा लोग बीमारी से मर गए थे.

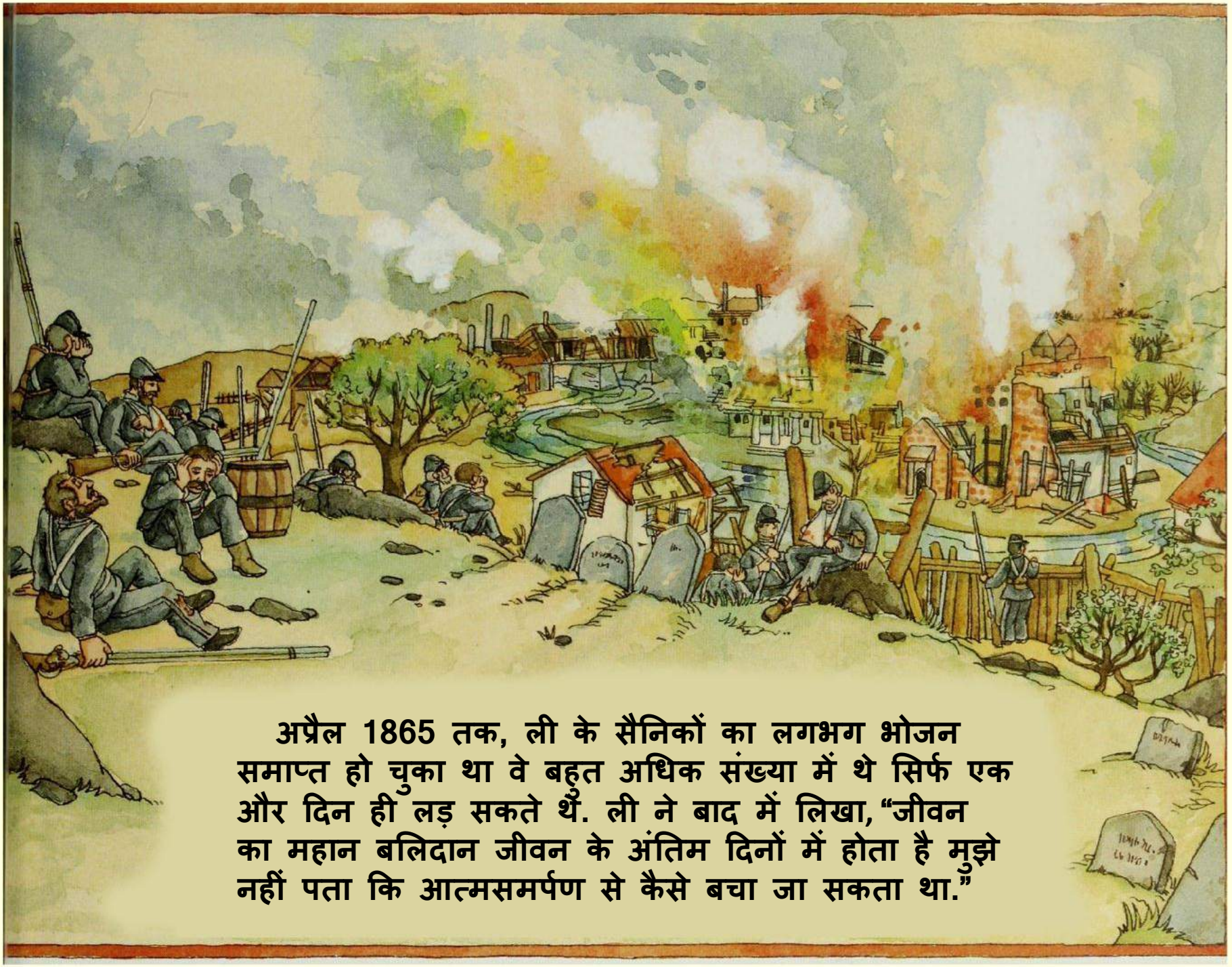

अप्रैल 1865 तक, ली के सैनिकों का लगभग भोजन समाप्त हो चुका था वे बहुत अधिक संख्या में थे सिर्फ एक और दिन ही लड़ सकते थे. ली ने बाद में लिखा, "जीवन का महान बलिदान जीवन के अंतिम दिनों में होता है मुझे नहीं पता कि आत्मसमर्पण से कैसे बचा जा सकता था."

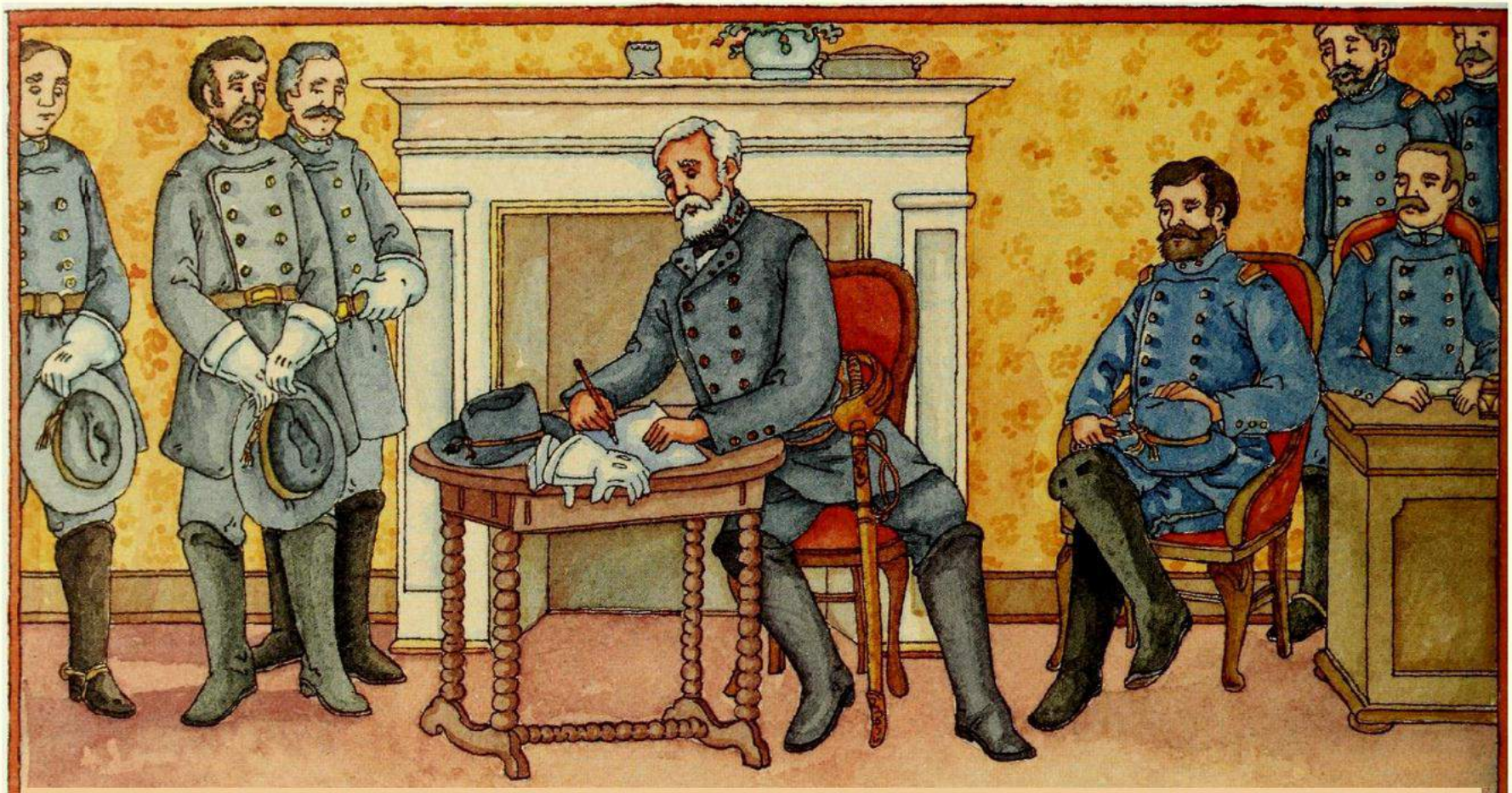

9 अप्रैल, 1865 को वर्जीनिया के अपपोमटोकस कोर्ट हाउस में, जनरल ली ने सभी सेनाओं के जनरल कमांडर जनरल युलिसिस एस. ग्रांट के समक्ष अपनी सेनाओं का आत्मसमर्पण कर दिया.

जब रॉबर्ट ई. ली अपने लोगों के पास लौटे, तो उन्होंने उनसे कहा, "यह युद्ध हमने एक साथ लड़ा है. जो सबसे बेहतर हो सकता था वो मैंने आपके लिए किया. मेरा दिल भर गया है इससे अधिक मैं कुछ नही कह सकता हूँ."

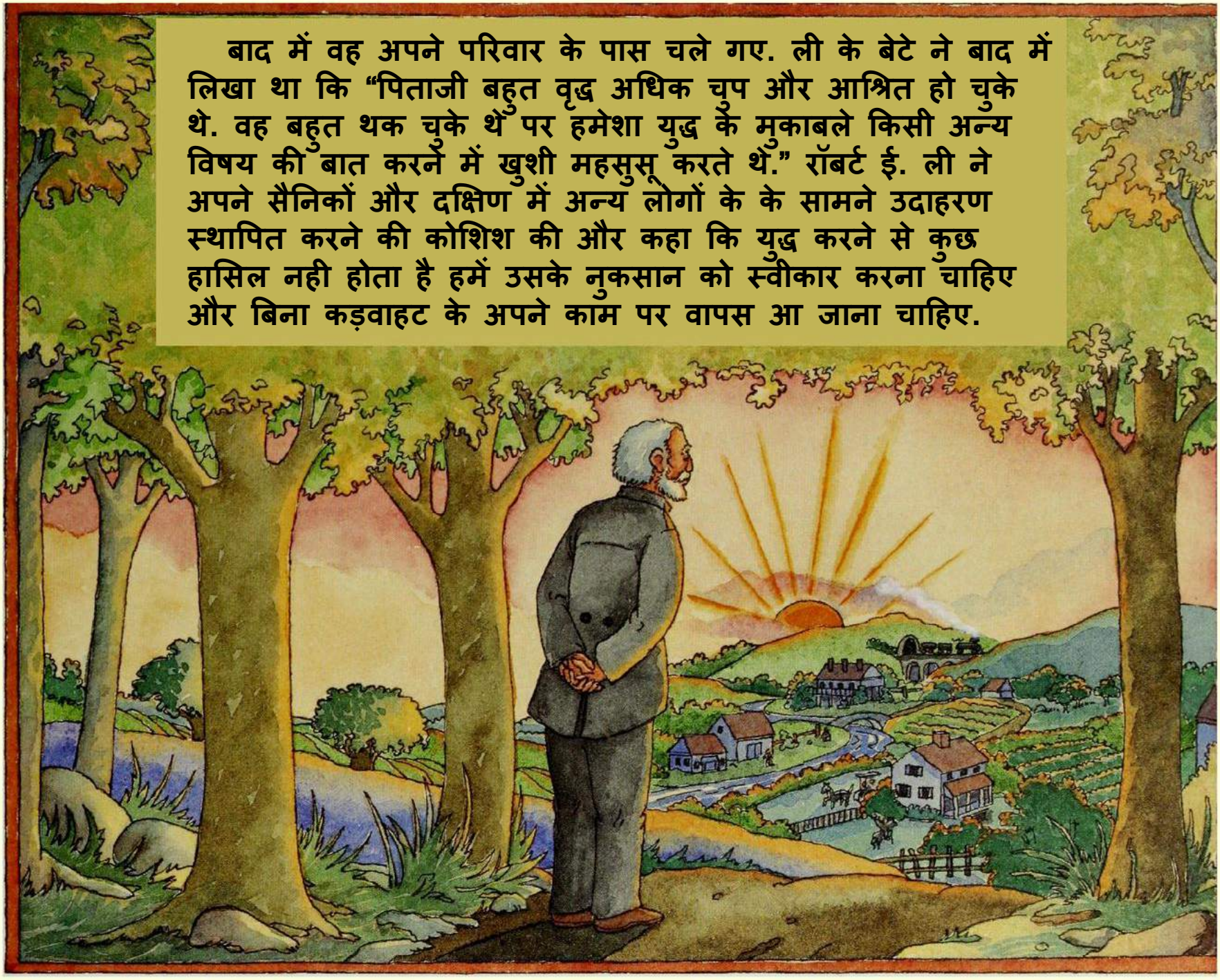

बाद में वह अपने परिवार के पास चले गए. ली के बेटे ने बाद में लिखा था कि “पिताजी बहुत वृद्ध अधिक चुप और आश्रित हो चुके थे. वह बहुत थक चुके थे पर हमेशा युद्ध के मुकाबले किसी अन्य विषय की बात करने में खुशी महसुसू करते थे.” रॉबर्ट ई. ली ने अपने सैनिकों और दक्षिण में अन्य लोगों के के सामने उदाहरण स्थापित करने की कोशिश की और कहा कि युद्ध करने से कुछ हासिल नही होता है हमें उसके नुकसान को स्वीकार करना चाहिए और बिना कड़वाहट के अपने काम पर वापस आ जाना चाहिए.

अक्टूबर 1865 में रॉबर्ट ई. ली को वर्जीनिया के लेक्सिंगटन में वाशिंगटन कॉलेज का अध्यक्ष बनाया गया. 12 अक्टूबर 1870 को उनकी मृत्यु उनके कॉलेज परिसर के घर में ही हुई.

रॉबर्ट ई. ली बहादुर, बुद्धिमान और सहज व्यक्तित्व वाले एक महान जनरल और लोगों के नेता थे.

उनकी मृत्यु से पूरे देश के लोग शोक में थे. एक उत्तरी अखबार न्यू-यॉर्क हेराल्ड ने लिखा था, "रॉबर्ट ई. ली एक अमेरिकी थे और साथ में अपने दोस्तों और सैनिकों के लिए एक महान प्रेरणा थे."

लेखक के नोट्स

रॉबर्ट ई. ली के पिता को "लाइट-हार्स हैरी" कहा जाता था क्योंकि उन्होंने क्रांतिकारी युद्ध के दौरान ब्रिटिश सरकार के साथ-साथ, तीव्र घोड़ों का भी नेतृत्व किया था.

लाइट-हार्स हैरी ली ने दो बार शादी की. उनकी पहली पत्नी, माटिल्डा, उनकी चचेरी बहिन थीं, जिन्हें स्ट्रैटफ़ोर्ड की जायजाद विरासत में अपने दादाजी से मिली थी. 1790 में उनकी मृत्यु के बाद उनका घर लाइट-हार्स हैरी के बेटे हेनरी को दे दिया गया. जब वह 1808 में इक्कीस साल के हुए तब उन्होंने 1810 में अपनी विरासत का दावा किया.

1859 में हर्पेर्स फेरी, वर्जीनिया का एक हिस्सा था. आज वो वेस्ट-वर्जीनिया का हिस्सा है. 1863 में वो एक अलग राज्य बन गया.

जनरल स्टोनवाल जैक्सन ने एक बार कहा था, "रॉबर्ट ई. ली में मेरा बहुत विश्वास है. मैं आंखों पर पट्टी बांधकर भी उन पर विश्वास कर सकता हूँ." उन्होंने यह भी कहा कि अगर उनसे पूछा जाए कि किस व्यक्ति को एक महत्वपूर्ण लड़ाई में नेतृत्व करना चाहिए, "तो मैं अपनी आखरी सांस तक भी रॉबर्ट ई. ली का ही नाम लूँगा."

वाशिंगटन कॉलेज, अब वाशिंगटन और ली विश्वविद्यालय के नाम से जाना जाता है.

महत्वपूर्ण तिथियाँ

1807	19 जनवरी वेस्टर्नोरलैंड काउंटी, वर्जीनिया में जन्म
1818	उनके पिता, हेनरी ली, की मृत्यु
1825	पश्चिम प्वाइंट में संयुक्त राज्य अमेरिका की सैन्य अकादमी में प्रवेश किया
1829	मां, एन हिल कार्टर ली का निधन अमेरिकी सैन्य अकादमी से स्नातक की उपाधि मिली
1831	30 जून को मैरी ऐनी रैंडोल्फ कस्टिस से विवाह
1846-1848	मैक्सिकन युद्ध में कार्यरत
1852-1855	पश्चिम बिंदु के अधीक्षक के रूप में कार्यरत
1859	जॉन ब्राउन पर कब्जा वर्जीनिया के हार्पर फेरी में शामिल
1861	रियायती कमीशन और कॉन्फेडरेट सेना में शामिल
1861-1865	गृह-युद्ध लड़ा
1865	फरवरी में संघीय राज्यों की सेनाओं के प्रमुख जनरल का नामांकन
1865	9 अप्रैल को एपेटट्टोक्स कोर्ट में जनरल उलीसस एस. ग्रांट को अपनी सेना का समर्पण
1865-1870	वाशिंगटन कॉलेज के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत
1870	12 अक्टूबर लेक्सिंगटन, वर्जीनिया में मृत्यु